विक्टोरिया मेमोरियल हाल
कोलकाता

वार्षिक प्रतिवेदन
2016 - 17

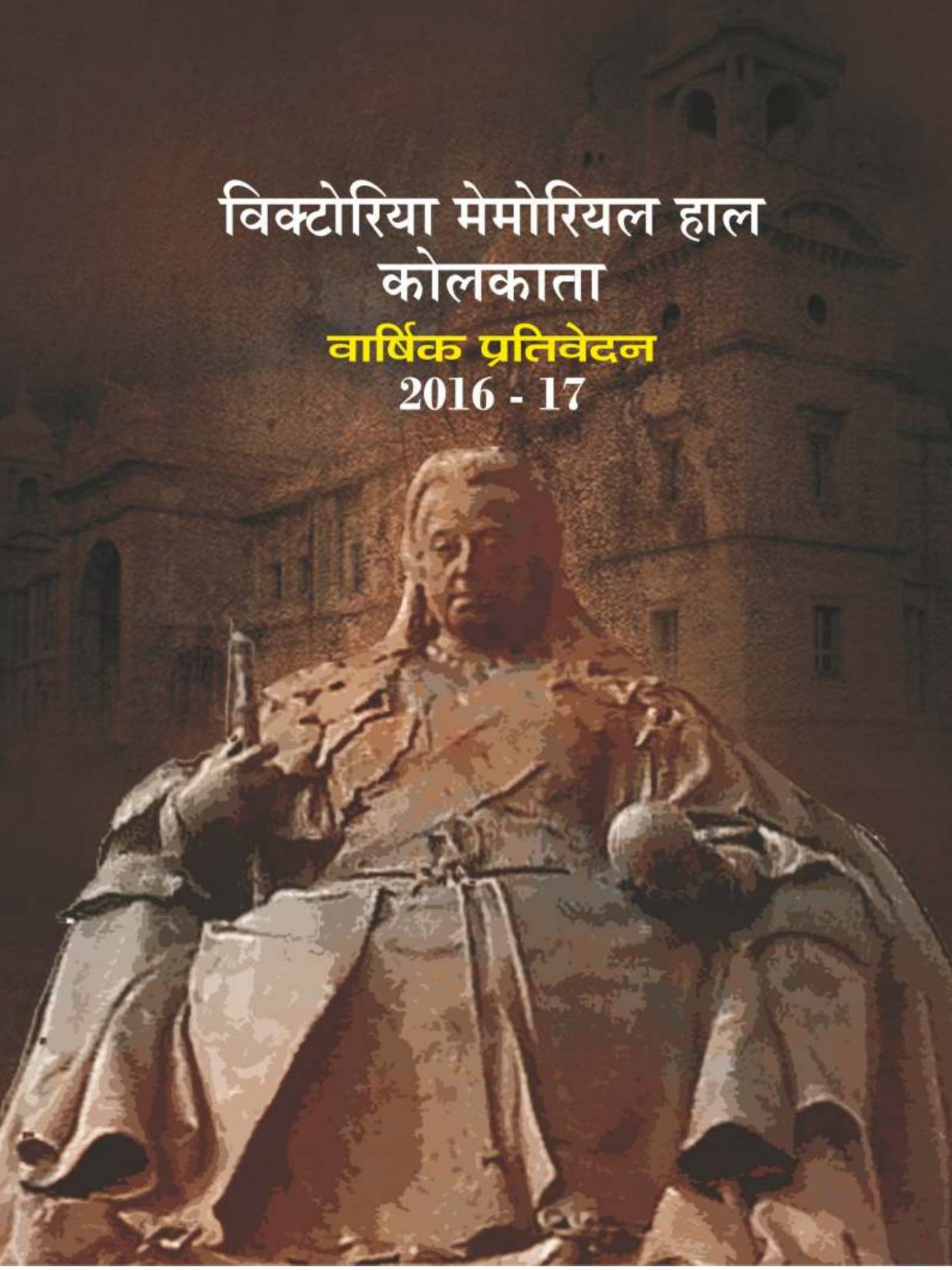

विक्टोरिया मेमोरियल हाल
कोलकाता

वार्षिक प्रतिवेदन
2016 - 17

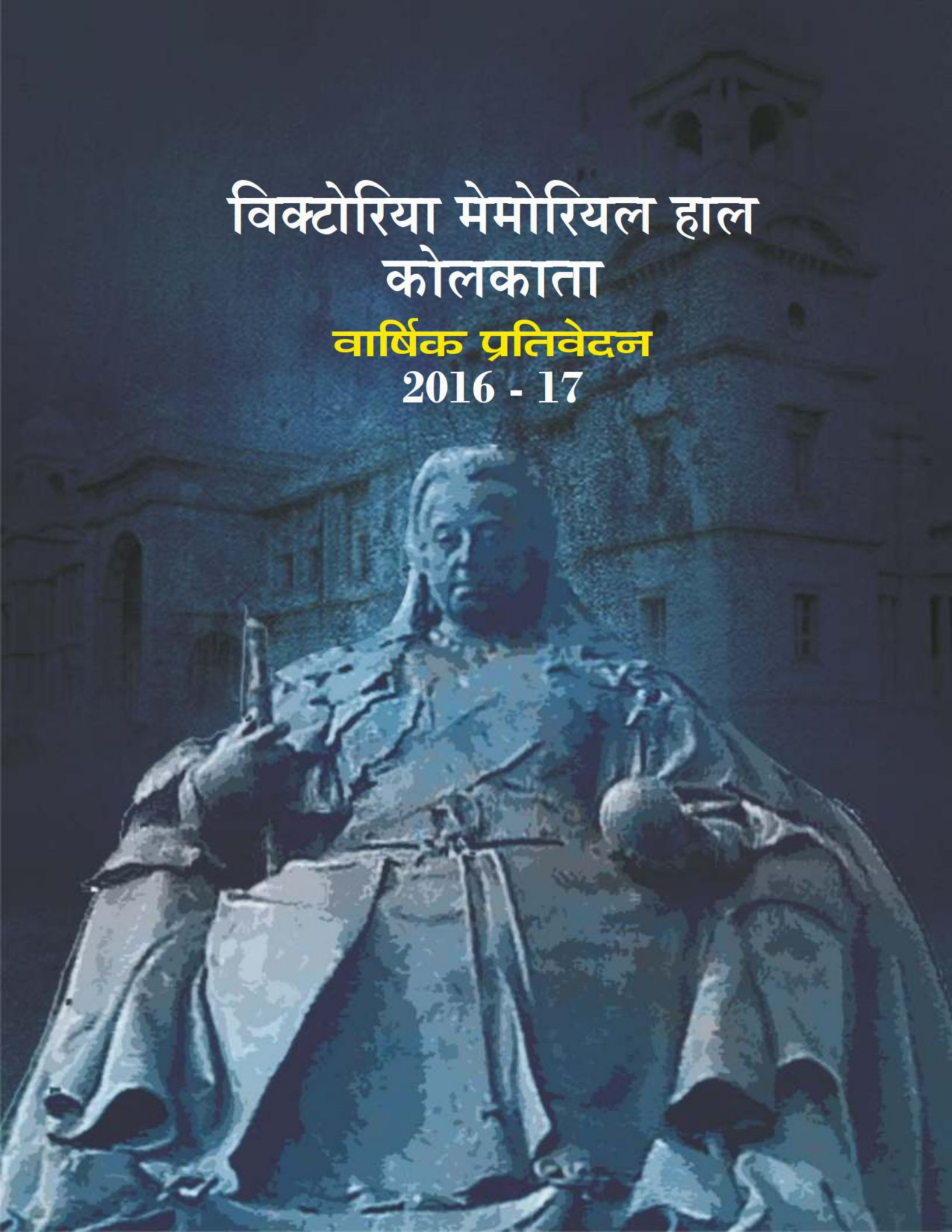

DIEU ET MON DROIT

विषय सूची

पृ.सं.

विक्टोरिया मेमोरियल हाल	5
संग्रह	6
वीथी	7
बगीचा	8
अभिलेखागार	9
पुस्तकालय	10
ट्रस्ट बोर्ड	11
प्रदर्शनी	12
शिक्षा गतिविधियां	14
अंतर्राष्ट्रीय दिवस / विश्व दिवस / सप्ताह का पालन	17
स्वच्छ भारत गतिविधियां	22
युवा मित्रों के एक्टीविटी क्लब	24
अन्य कार्यक्रम	28
दूरस्थ प्रसारी गतिविधियां / स्कूली बच्चों का दौरा	34
प्रलेखन इकाई	34
संरक्षण इकाई	35
पुनरुद्धार इकाई	37
संरक्षण 22 तैल रंग चित्र	38
राजभाषा	43
विशिष्ट व्यक्तियों का दौरा	44
केयरटेकर इकाई	47
आधुनिकीकरण का कार्यक्रम	47

वित्तीय विवरण

तुलन पत्र	56
आय एवं व्यय लेखा	58
सारणी	60
प्राप्ति एवं भुगतान का विवरण	90

विक्टोरिया मेमोरियल हाल

विक्टोरिया मेमोरियल हाल को लार्ड कर्जन की विशेष पहल पर ब्रिटिश-भारत की तत्कालीन राजधानी कलकत्ते में स्थापित किया गया था। कर्जन, जो सन् 1899 से 1905 तक भारत के वायसराय थे, का इरादा था कि महारानी की स्मृति में इसे एक अवधि संग्रहालय बनाया जाये, जिसमें भारत-ब्रिटिश इतिहास पर खास बल रहे। विक्टोरिया मेमोरियल हाल के स्थापत्य की शैली मुख्य रूप से इटली के नवजागरण पर आधारित है और इसमें प्राच्य शैली का समावेश भी है। देश में भारत-ब्रिटिश स्थापत्य का एक उत्कृष्ट उदाहरण के रूप में इसकी व्यापक प्रशंसा होती है और ''राज का ताज'' भी कहा जाता है। जनवरी 1906 में प्रिंस ऑफ वेल्स ने, जो बाद में सम्राट जार्ज पंचम बने थे, इसकी आधारशिला रखी थी और सन् 1921 में आम जनता के लिए इसके 57 एकड़ के परिसर को औपचारिक रूप से खोल दिया गया। भारत सरकार के अधिनियम 1935 के तहत इसे राष्ट्रीय महत्व का एक संस्थान घोषित किया गया था।

अभी विक्टोरिया मेमोरियल हाल भारत सरकार के संस्कृति मंत्रालय के अधीन एक स्वायत्त संगठन है। पश्चिम बंगाल के राज्यपाल की अध्यक्षता में इसका एक ट्रस्ट बोर्ड है, जिसमें सरकार और न्यायपालिका के विशिष्ट व्यक्ति शामिल हैं। आज विक्टोरिया मेमोरियल हाल को दृश्य कला का एक उत्कृष्ट उदाहरण माना जाता है, जहां कला के चार पृथक क्षेत्र-स्थापत्य, मूर्तिकला, चित्रकला और बागवानी कला एक साथ देखे जा सकते हैं। भारत के माननीय प्रधानमंत्री की पहल पर शुरू ''इंडिया टूडे-सफाईगिरी अवार्ड्स'' के तहत विक्टोरिया मेमोरियल हाल को 2015 में 'भारत के सबसे स्वच्छ स्मारक' के रूप में मान्यता मिली थी।

संग्रह

संग्रहालय के रूप में विक्टोरिया मेमोरियल हाल के संग्रह में 28,394 कला वस्तुएं हैं, जिनमें से अनेक कला वस्तुओं को 9 वीथियों में रखा गया है, जो 1650 ई. से तीन शताब्दियों के हमारे देश के इतिहास को पेश करती हैं। इस संग्रह में तैल रंग चित्र, जल रंग चित्र, रेखा चित्र एवं ड्राइंग, एक्वाटिन्ट्स, लिथोग्राफ, फोटोग्राफ, दुर्लभ पुस्तकें एवं पाण्डुलिपि, डाक टिकट एवं डाक सामग्री, सिक्का एवं पदक, अस्त्र-शस्त्र, मूर्ति, पोशाक, व्यक्तिगत स्मृति शेष एवं अन्य विविध अभिलेख दस्तावेज शामिल हैं।

संग्रहालय के उल्लेखनीय संग्रह में अठारहवीं एवं उन्नीसवीं सदी के प्रमुख योरोपीय चित्रकारों-जैसे जोहॉन जोफानी, जोशुआ रेनाल्ड्स, विलियम होजेस, जार्ज शिनरी, राबर्ट होम्स, थामस हिकी, टिली केटल, बाल्टाजार साल्विन्स, जॉन फ्लेमिंग, चार्ल्स डॉयली, इमिली इडेन एवं सैमुएल डेविस के अनोखे रंगचित्र हैं। सुप्रसिद्ध चित्रकार थामस एवं विलियम डैनियल, जो रिश्ते में चाचा और भतीजे थे, के रंगचित्रों का सबसे बड़ा संग्रह भी मेमोरियल में ही है। मेमोरियल के संग्रह में रूसी चित्रकार वैसिली वेरेस्टचागिन द्वारा अंकित 'द स्टेट प्रोसेशन ऑफ द प्रिंस ऑफ वेल्स इन टू जयपुर इन 1876' है। यह एकल कैनवास पर भारत का सबसे बड़ा तैल रंग चित्र है, जो कि संभवत: विश्व का दूसरा सबसे बड़ा तैल रंग चित्र भी हो सकता है। मेमोरियल के संग्रह की अन्य महत्वपूर्ण एवं दिलचस्प कला वस्तुओं में शामिल हैं- सचित्र फारसी पाण्डुलिपियां जैसे मुगल बादशाह औरंगजेब का हाथ से लिखा कुरान, अबुल फैज फैजी द्वारा नल एवं दमयंती की कहानी का फारसी अनुवाद, दारा शिकोह द्वारा उपनिषद का अनुवाद, आइने अकबरी की पाण्डुलिपि, कालीघाट रंगचित्र, कजार शैली का ईरानी रंगचित्र, टीपू सुल्तान की व्यक्तिगत युद्ध डायरी, पलासी की लड़ाई में इस्तेमाल तोप एवं तोप के गोले, महाराजा रंजीत सिंह की तलवार एवं तांत्या टोपे की अचकन।

हाल के वर्षों में इस संग्रह को रवीन्द्र भारती सोसाइटी की कला वस्तुओं का दीर्घकालीन ऋण पर अधिग्रहण कर और समृद्ध किया गया है, जिसमें बंगाल शैली के लगभग 5,000 रंगचित्र हैं, जो खासकर अवनीन्द्रनाथ, गगनेन्द्रनाथ टैगोर, जामिनी राय एवं अन्य चित्रकारों की कलाकृतियां हैं।

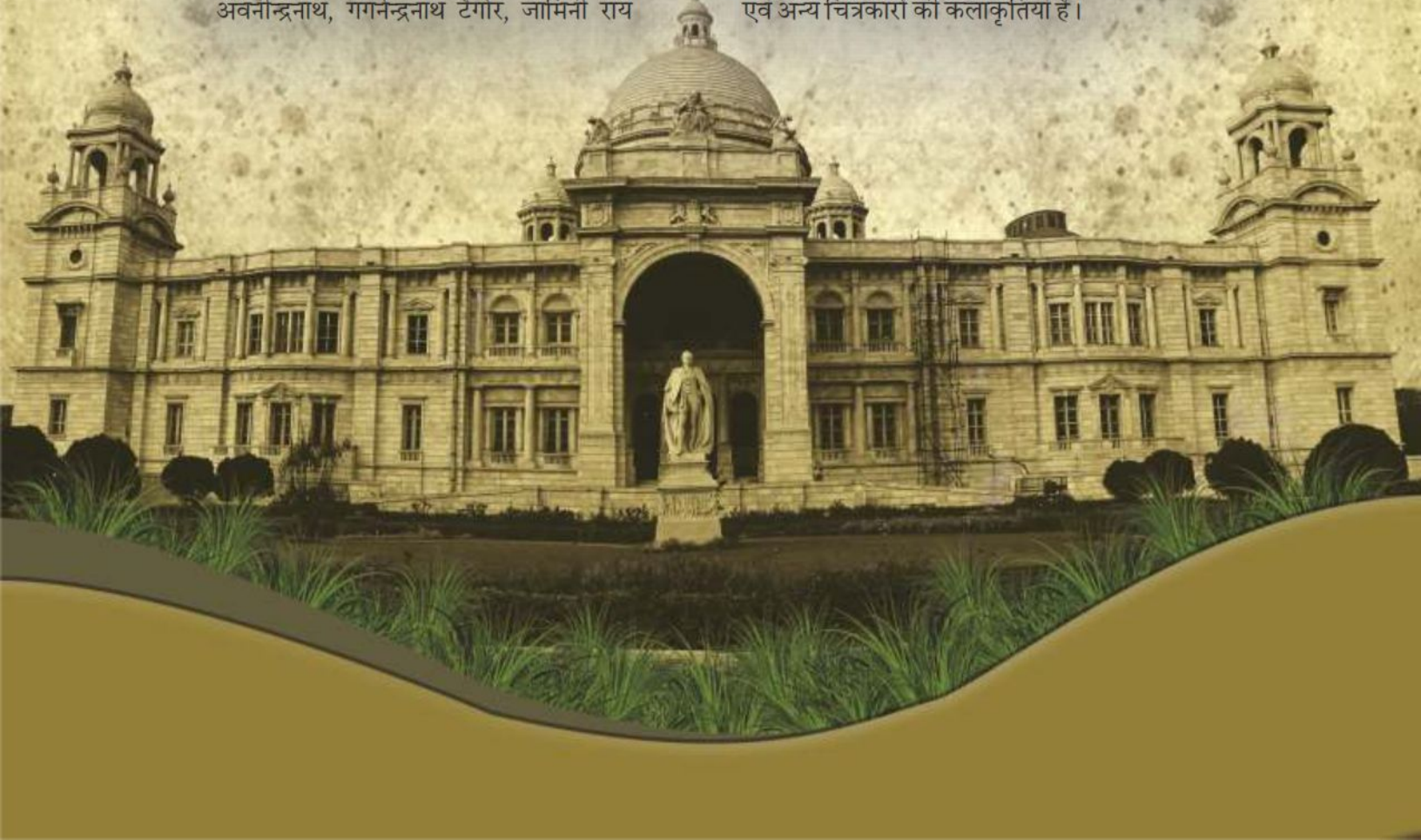

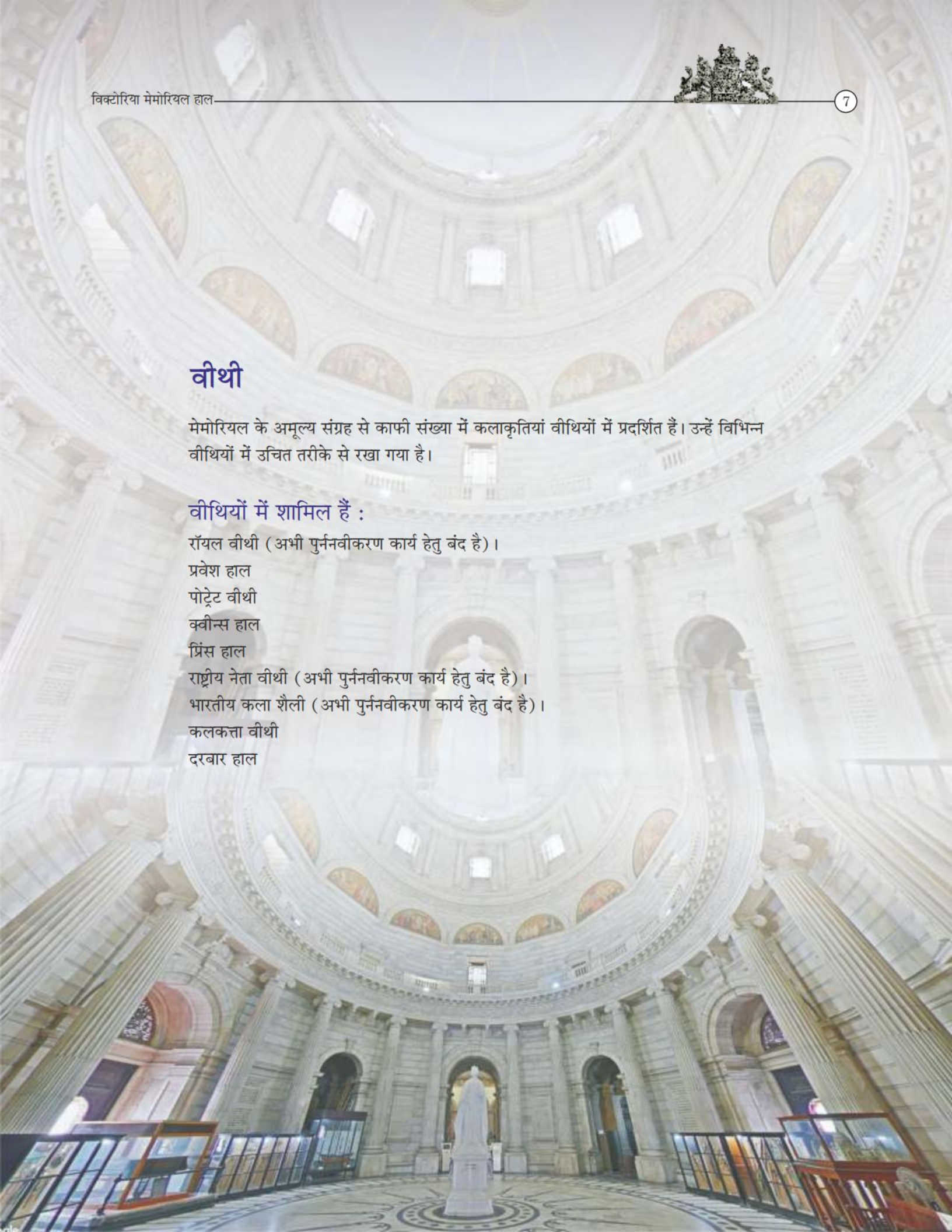

वीथी

मेमोरियल के अमूल्य संग्रह से काफी संख्या में कलाकृतियां वीथियों में प्रदर्शित हैं। उन्हें विभिन्न वीथियों में उचित तरीके से रखा गया है।

वीथियों में शामिल हैं :

रॉयल वीथी (अभी पुर्ननवीकरण कार्य हेतु बंद है)।
प्रवेश हाल
पोट्रेट वीथी
क्वीन्स हाल
प्रिंस हाल
राष्ट्रीय नेता वीथी (अभी पुर्ननवीकरण कार्य हेतु बंद है)।
भारतीय कला शैली (अभी पुर्ननवीकरण कार्य हेतु बंद है)।
कलकत्ता वीथी
दरबार हाल

बगीचा

वीथियों में प्रदर्शित अमूल्य संग्रह के अलावा विक्टोरिया मेमोरियल में एक सुन्दर बगीचा भी है, जिसमें छह जलाशय, उद्यान, कंकड़ीले रास्ते, ऐतिहासिक मूर्तियां और लगभग 2737 पेड़ों का समृद्ध संग्रह है।

आज, मेमोरियल का बगीचा स्वयं ही एक आकर्षण है, जिसमें सालाना लगभग 35 लाख से ज्यादा दर्शक आते हैं। यह सिर्फ मनोरम दृश्य का ही आनन्द नहीं देता बल्कि अपनी हरियाली और खुलेपन की वजह से यह वर्षों से युवाओं एवं वृद्ध लोगों के लिए मनपसंद स्थान भी रहा है।

विक्टोरिया मेमोरियल बगीचे की मूल परियोजना को सन् 1915 में लार्ड रेडिसडेल (जिन्हें भू-दृश्य बागवानी का महान विशेषज्ञ माना जाता रहा है), भू-दृश्य बागवान एवं वास्तुकार मेसर्स मिल्नर एंड कंपनी के श्री इ. व्हाइट तथा बोटानिकल गार्डेन्स, कलकत्ता के अधीक्षक एवं बोटानिकल सर्वे ऑफ इंडिया के निदेशक सर डेविड प्रेन के परामर्श से बनाया गया था।

अभिलेखागार

विक्टोरिया मेमोरियल हाल के अभिलेखागार में अनेक दुर्लभ संग्रह मौजूद हैं यथा- भारत के सुप्रीम कोर्ट के द्वितीय मुख्य न्यायाधीश जस्टिस जॉन हाइड की पाण्डुलिपि डायरी एवं काफी संख्या में कानूनी दस्तावेज, कलकत्ता एवं बंगाल के 18 वीं एवं 19 वीं सदी के प्रारम्भिक औपनिवेशिक दस्तावेज, उर्दू एवं फारसी में जमीन के रिकार्ड तथा पुराने सुप्रीम कोर्ट के रिकार्ड। इसके साथ ही विशिष्ट ऐतिहासिक व्यक्तियों, भारतीय एवं ब्रिटिश दोनों ही, की स्मरणीय वस्तुएं भी हैं। यहां संरक्षित विविध रिकार्ड 18 से 20 वीं सदी तक के भारत-ब्रिटिश इतिहास पर कार्य कर रहे विद्वानों के लिए अमूल्य स्त्रोत सामग्री मुहैया कराते हैं।

पुस्तकालय

विक्टोरिया मेमोरियल हाल का पुस्तकालय एक विशेष संदर्भ पुस्तकालय है, जिसमें 18वीं - 19वीं सदी के भारत-ब्रिटिश इतिहास, कलकत्ता के इतिहास, कला एवं संरक्षण के इतिहास, संग्रहालय अध्ययन तथा सांस्कृतिक संगठनों का प्रबंधन के विषयों पर खास बल दिया गया है। पुस्तकालय में कई विशेष संग्रह हैं, जैसे जार्ज ल्येल संग्रह, श्री भवानी चरण लॉ संग्रह, प्रोफेसर डी. सी. गांगूली संग्रह, कैलकटा आर्ट सोसाइटी संग्रह आदि और इन्हें अलग से प्रदर्शित किया गया है।

अभी पुस्तकालय में 15,381 पुस्तकें हैं, जिसमें इस वित्त वर्ष में रु. 3,44,559.00 की लागत से 158 नई पुस्तकें भी शामिल हैं। पुस्तकालय 8 दैनिक समाचारपत्रों तथा 3 पत्रिकाओं का ग्राहक रहा। पुस्तकालय ने तत्काल संदर्भ के लिए सम्बद्ध समाचारों के कतरन को सुरक्षित रखा। समस्त पुस्तकों का डिजीटल कैटलॉग बनाने का कार्य शुरु हुआ है, जो जल्द ही पूरा हो जायेगा।

पुस्तकालय के अधिग्रहण रजिस्टर में समस्त दस्तावेजों की प्रविष्टि की गई है। सचिव एवं संग्रहाध्यक्ष की विशेष अनुमति से कर्मियों, देश एवं विदेश के पाठकों ने पुस्तकालय का नियमित इस्तेमाल किया। पुराने कोलकाता, संग्रहालय विज्ञान, कला इतिहास आदि के अध्ययन में यह पुस्तकालय पाठकों को काफी सहयोग देता है। इस वर्ष बाहर के 55 विशेष पाठकों ने भी पुस्तकालय का उपयोग किया। संदर्भ अनुभाग में 1285 पुस्तकों का इस्तेमाल किया गया। मेमोरियल के कर्मियों ने अध्ययन के लिए पुस्तकालय से 39 पुस्तकों को लिया था। वर्ष के दौरान पुस्तक चयन समिति की 3 बैठकें हुईं और उसकी सिफारिशों पर सचिव एवं संग्रहाध्यक्ष ने पुस्तकों को खरीदने के लिए चयन किया।

ट्रस्ट बोर्ड

अध्यक्ष

पश्चिम बंगाल के माननीय राज्यपाल

श्री केसरी नाथ त्रिपाठी

सदस्य

1. माननीय मुख्य न्यायाधीश, कलकत्ता हाईकोर्ट

   न्यायाधीश मंजूला चेल्लूर

2. माननीय मेयर, कोलकाता नगर निगम

   श्री शोभन चटर्जी

3. भारत सरकार के संस्कृति मंत्रालय के सचिव

   श्री एन. के. सिन्हा, आइ ए एस

4. भारत सरकार के संस्कृति मंत्रालय के वित्त सलाहकार

   श्री कुमार संजय कृष्णा, आइ ए एस

5. पश्चिम बंगाल सरकार के उच्च शिक्षा विभाग के प्रधान सचिव

   श्री विवेक कुमार, आइ ए एस

6. प्रधान महालेखापाल (ए एवं इ), पश्चिम बंगाल

   श्री एम. एस. सुब्रहण्यम, आइ ए एंड ए एस

विक्टोरिया मेमोरियल हाल (संशोधित अधिनियम)– 1981 के अनुभाग 2 (i) (ग) में गैर पदेन सदस्यों के रूप में भारत सरकार द्वारा नामजद 3 व्यक्तियों का प्रावधान है तथा इसके अलावा ट्रस्ट–बोर्ड की सिफारिश से 4 गैर पदेन सदस्यों के लिए भी संस्कृति मंत्रालय से अनुमोदन की आवश्वकता है। ये सभी स्थान जून 2015 से रिक्त हैं।

सचिव एवं संग्रहाध्यक्ष

डा. जयन्त सेनगुप्ता

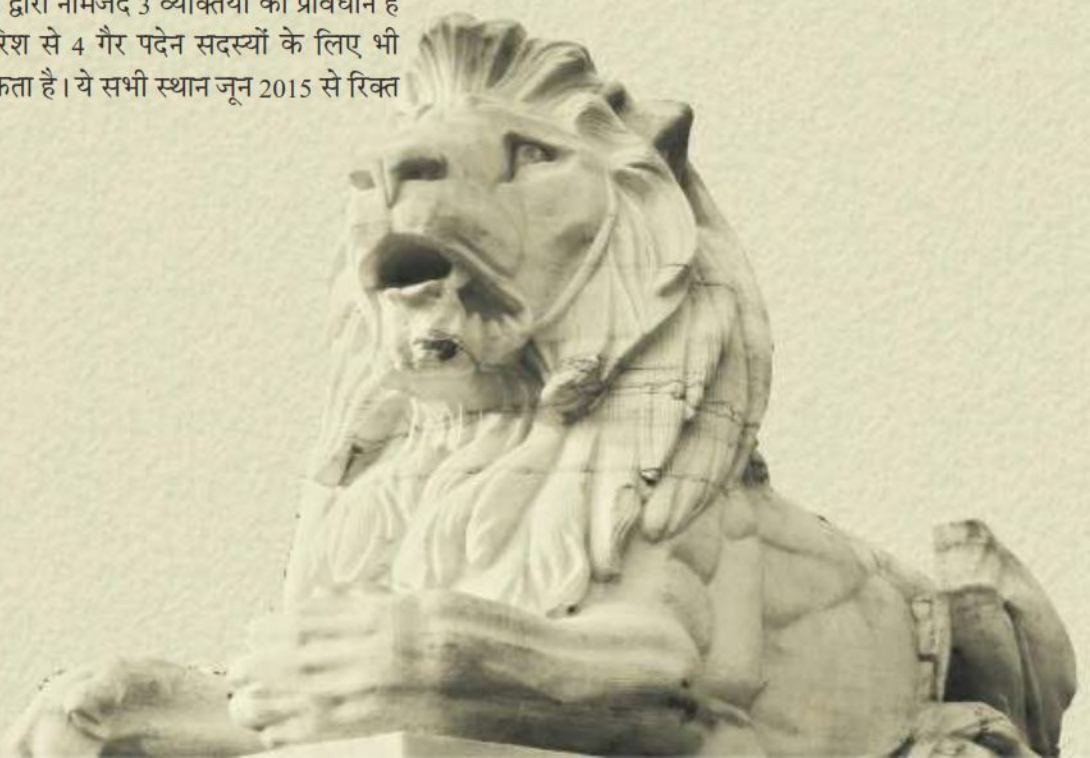

प्रदर्शनी

1. भारतीय सिनेमा के महान निर्देशक-निर्माता सत्यजित राय की 95 वीं जन्म जयंती पर प्रदर्शनी 'राय एंड द सिटी' आयोजित की गई, जिसमें वरिष्ठ फोटोग्राफर सुनील के. दत्त द्वारा श्वेत-श्याम फोटोग्राफों को प्रदर्शित किया गया। सत्यजित राय फिल्म एवं टेलीविजन इंस्टीच्यूट के चेयरमैन डा. पार्थ घोष ने 09 मई 2016 को इस प्रदर्शनी का उद्घाटन किया था, जो 16 जून 2016 तक जारी रही।

2. विक्टोरिया मेमोरियल हाल में अवनीन्द्रनाथ टैगोर की 1905 की प्रसिद्ध पेन्टिंग 'भारत माता' की विशेष प्रदर्शनी आयोजित की गई। 16 मई 2016 को माननीय संसद सदस्य एवं हार्वर्ड विश्वविद्यालय के गार्डिनर प्रोफेसर सुगाता बोस ने रवीन्द्र भारती सोसाइटी के संग्रह से इस रंग चित्र का उद्घाटन किया।

3. सार्वजनिक स्थलों पर कला को बढ़ावा देने के प्रयास के तहत विक्टोरिया मेमोरियल हाल के बगीचे में यादवपुर विश्वविद्यालय फोटो फेस्ट- 2017 के अंग के रूप में यादवपुर विश्वविद्यालय फोटोग्राफिक क्लब ने मेमोरियल के सहयोग से एक अर्न्तराष्ट्रीय फोटोग्राफी प्रदर्शनी का आयोजन किया। सुप्रसिद्ध फिल्म निर्माता गौतम घोष ने 24 फरवरी 2017 को इस प्रदर्शनी का उद्घाटन किया, जिसे गोथे इंस्टीच्यूट / मैक्समूलर भवन, कोलकाता तथा यादवपुर विश्वविद्यालय ने मिलकर बनाया था। इस अवसर पर कलकत्ता विश्वविद्यालय के उप कुलपति प्रोफेसर सुरंजन दास, गोथे इंस्टीच्यूट / मैक्समूलर भवन, कोलकाता के निदेशक फ्रिसो मेएकर तथा मेमोरियल के सचिव एवं संग्रहाध्यक्ष डा. जयंत सेनगुप्ता उपस्थित थे। नई दिल्ली स्थित अलकाजी फाउंडेशन फॉर द आर्ट की क्यूरेटर तथा लंदन स्थित रॉयल एशियाटिक सोसाइटी की फेलो रहाब एलाना ने उद्घाटन समारोह में मुख्य भाषण दिया। शाम को 'आर्ट एज ए आर्काइव' पर एक समूह चर्चा आयोजित की गई, जिसके पैनल में संजय मुखोपाध्याय, अनिंद्य सेनगुप्ता, रोनी सेन एवं रानू रायचौधरी शामिल थीं। समूह चर्चा का संचालन महार्घ चक्रवर्ती ने किया था। 5 मार्च 2017 तक यह प्रदर्शनी जारी रही।

4. 7 मार्च 2017 को 'अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस' के अवसर पर विक्टोरिया मेमोरियल हाल के निजी संग्रह से चित्रकार इमिली इडेन की 45 जलरंग चित्रों की एक प्रदर्शनी आयोजित की गई। मेमोरियल की महिला कर्मियों ने इस प्रदर्शनी का उद्घाटन किया। 6 अप्रैल 2017 तक यह प्रदर्शनी जारी रही।

शिक्षा गतिविधियां

व्याख्यान / संगोष्ठी / समूह चर्चा

1. विक्टोरिया मेमोरियल हाल में 11 अप्रैल 2016 को सायराक्यूज विश्वविद्यालय की कला इतिहास की एसोसियेट प्रोफेसर रोमिता राय ने एक सचित्र व्याख्यान दिया, जिसका शीर्षक था 'बोटानिकल ट्रेजर, ऑर्नामेन्टल वन्डर ? एस्थेटिसाइजिंग टी इन ब्रिटेन एंड कोलोनियल कैलकटा'। कोलकता में रॉयल नार्वे दूतावास के मानद वाणिज्य दूत नयनतारा पालचौधरी ने इस व्याख्यान सत्र की अध्यक्षता की।

2. मेमोरियल ने निम्नलिखित कार्यक्रमों के माध्यम से 18 अप्रैल 2016 को भारत के संविधान के मुख्य रचनाकार डा. बी. आर. अम्बेडकर की 125 वीं जन्म जयंती का पालन किया:

- सचिव एवं संग्रहाध्यक्ष डा. जयंत सेनगुप्ता तथा राजपुर, विद्यानिधि हाई स्कूल, सोनारपुर, कोलकाता के सहायक शिक्षक मेघनाथ हाल्दार ने इस अवसर पर वार्ता पेश की।
- मेमोरियल के कर्मियों के लिए दो तथ्य चित्र दिखाये गये।

  1. बंगला फिल्म – 22 मिनट (सौजन्य : डी डी बंगला)

  2. हिंदी फिल्म – 10 मिनट (सौजन्य : अभिजीत दासगुप्ता, सचिव, कोलकाता सुकृति फाउंडेशन)।

  आम जनता के लिए जब्बर पटेल द्वारा निर्देशित तथ्य चित्र 'डा. बाबासाहेब अम्बेडकर' (अंग्रेजी, 72 मिनट) प्रदर्शित की गई।

3. विक्टोरिया मेमोरियल हाल ने 6 जून 2016 को एक सचित्र व्याख्यान 'अवनीन्द्रनाथ टैगोर एंड द अरबियन नाइट्स' आयोजित किया। यह व्याख्यान प्रोफेसर देवाशीष बनर्जी, भारतीय दर्शन तथा संस्कृति के हरिदास चौधरी प्रोफेसर एवं सनफ्रांसस्कि स्थित एशियन आर्ट कैलिफोर्निया इंस्टीच्यूट ऑफ इंटीग्रल स्टडीज के दोशी प्रोफेसर ने दिया था।

4. 27 जून 2016 को मधुवन्ती घोष, एल्सडोर्फ एसोसियेट क्यूरेटर ऑफ इंडियन, साउथईस्ट एशियन, हिमालयन एंड इस्लामिक आर्ट, द आर्ट इंस्टीच्यूट ऑफ शिकागो ने एक सचित्र व्याख्यान 'नाथद्वारा एंड द एस्थेटिक ट्रैडिशन्स ऑफ द वैष्णव पुष्टिमार्ग सेक्ट' दिया।

5. 8 अगस्त 2016 को टैगोर रिसर्च स्कॉलर, वीएमएच अमिताभ भट्टाचार्य ने एक विशेष व्याख्यान दिया, जिसका शीर्षक था 'आर्ट मूवमेन्ट इन बेंगाल इन द अर्ली 20 सेन्चुरी एंड इन्ट्रा-एशियन आर्टिस्टिक डिस्कोर्स'। इस व्याख्यान सत्र की अध्यक्षता सेंटर फॉर स्टडीज इन सोशल साइंसेज, कोलकाता की निदेशक तपती गुहठाकुरता ने की थी।

6. 22 अगस्त 2016 को एक सचित्र व्याख्यान 'बिग डाटा टू बिग आइडियाज : द वे एहेड फॉर म्युजियम्स एंड द आर्ट्स ?' को आयोजित किया गया। यह व्याख्यान पुलक घोष, प्रेसीडेन्सी यूनिवर्सिटी, कोलकाता में अर्थशास्त्र के इन्फोसिस फाउंडेशन चेयर प्रोफेसर तथा भारतीय प्रबंध संस्थान बंगलोर में डिसीजन साइंसेज के प्रोफेसर ने दिया था।

7. मेमोरियल में 4 अक्टूबर 2016 को दुर्गोत्सव के संबंध में एक सचित्र व्याख्यान 'द अदर साइड ऑफ दुर्गा पूजा : बेंगाल्स जमीन्दार्स एंड द कल्चर ऑफ एग्रीकल्चर' को आयोजित किया गया। प्रसार भारती के मुख्य कार्यकारी अधिकारी जवाहर सरकार ने यह व्याख्यान दिया था।

8. 19 दिसम्बर 2016 को अमेरिका स्थित कैलिफोर्निया विश्वविद्यालय के इतिहास के प्रोफेसर सुदीप्त सेन ने एक विशेष व्याख्यान 'द गाजी ऑफ त्रिवेणी : रिथिन्किंग द एडवेन्ट ऑफ इस्लाम इन बेंगाल' दिया। प्रसार भारती के पूर्व मुख्य कार्यकारी अधिकारी जवाहर सरकार ने इस व्याख्यान सत्र की अध्यक्षता की थी।

9. विक्टोरिया मेमोरियल हाल में 17 जनवरी 2017 को एक विशेष व्याख्यान '1947 इन साउथ एशियन हिस्ट्री : डिकोलोनाइजेशन इन रेट्रोस्पेक्ट' को आयोजित किया गया। न्यूजीलैण्ड के विक्टोरिया यूनिवर्सिटी ऑफ वेलिंगटन के एशियन हिस्ट्री के प्रोफेसर शेखर बंद्योपाध्याय ने यह व्याख्यान दिया था। इसके बाद चर्चा का एक सत्र आयोजित किया गया।

10. विक्टोरिया मेमोरियल हाल ने यादवपुर विश्वविद्यालय के स्कूल ऑफ वुमेन्स स्टडीज तथा न्यूजीलैण्ड इंडिया रिसर्च इंस्टीच्यूट के सहयोग से एक व्याख्यान 'द मैन इन द सोला टोपी' को आयोजित किया। लेखक इरविन एलन सीली ने 19 जनवरी 2017 को यह व्याख्यान दिया था, जिसके बाद उस पर चर्चा का एक कार्यक्रम आयोजित हुआ।

11. मेमोरियल तथा कैलकटा डिबेटिंग सर्किल ने 21 जनवरी 2017 को कैलकटा फेस्टिवल ऑफ द स्पोकेन वर्ड के अंग के रूप में दो समूह चर्चा का आयोजन किया था:

- महिलायें अपने सशक्तिकरण में बाधा हैं।

  इस समूह चर्चा में भाग लिया था: अनुराधा लोहिया, स्वाती भट्टाचार्य, सीमा सप्रू तथा अशोक विश्वनाथन। इस सत्र का संचालन संदीप चटर्जी ने किया था।

- महिलाओं का सशक्तिकरण एक आर्थिक मुद्दा है।

  इस समूह चर्चा में भाग लिया था : रेणु राय, सृष्टि कृष्णामूर्ति, उर्मी बसु तथा सुरेन मुंशी। इस सत्र का संचालन स्वाती गौतम ने किया था। इन चर्चा सत्रों में विदेश के विश्वविद्यालयों के विद्यार्थियों ने भी हिस्सा लिया था।

12. 3 फरवरी 2017 को विक्टोरिया मेमोरियल हाल में एक विशेष व्याख्यान आयोजित किया गया था, जिसका शीर्षक था 'लुकिंग द टाइगर इन द आइ : ओरल हिस्ट्री, हेरिटेज साइट्स एंड पब्लिक कल्चर'। यह व्याख्यान इंदिरा चौधरी, निदेशक, सेंटर फॉर पब्लिक हिस्ट्री, सृष्टि इंस्टीच्यूट ऑफ आर्ट, डिजाइन एंड टेक्नोलाजी, बेंगलुरू ने दिया था।

अंतर्राष्ट्रीय दिवस / विश्व दिवस / सप्ताह का पालन

1. विक्टोरिया मेमोरियल हाल ने ऑटिज्म सोसाइटी वेस्ट बेंगाल के सहयोग से 2 अप्रैल 2016 को 'विश्व ऑटिज्म जागरूकता दिवस' का पालन किया। इस अवसर पर ऑटिज्म से प्रभावित लोगों ने 'असाधारण' शीर्षक से संगीत का एक कार्यक्रम पेश किया तथा दीक्षा के विद्यार्थियों ने कलाकृतियों की एक प्रदर्शनी आयोजित की।

2. स्मारक तथा विरासत स्थलों के अंतर्राष्ट्रीय दिवस के अवसर पर इस वर्ष के विषय 'द हेरिटेज ऑफ स्पोर्ट्स' पर 18 अप्रैल 2016 को एक वार्ता 'इंडियाज ओलिम्पिक हेरिटेज एंड फ्यूचर' आयोजित की गई। यह व्याख्यान विशिष्ट खेल इतिहासकार तथा पत्रकार बोरिया मजुमदार ने दिया था।

3. 18 मई 2016 को निम्नलिखित कार्यक्रमों के जरिये 'अंतर्राष्ट्रीय संग्रहालय दिवस' का पालन किया गया:

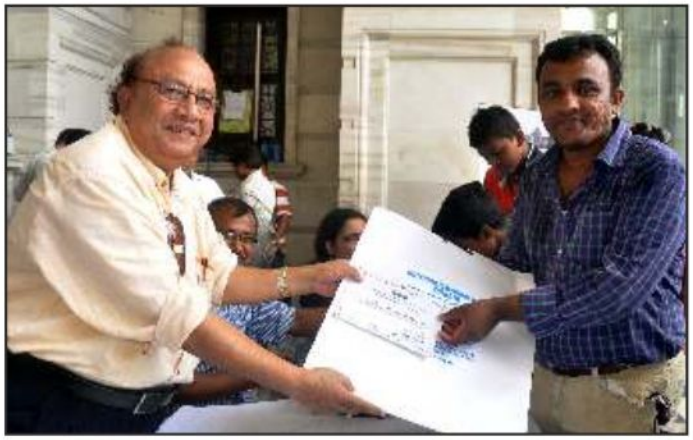

- मेमोरियल के बगीचे तथा वीथियों में दर्शकों के लिए प्रवेश को इस दिन नि:शुल्क किया गया।

- सही जवाब की खोज – इस दिन संग्रहालय के दर्शकों के लिए सुबह 11 बजे से दोपहर 2 बजे तक भागीदारी का एक कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसके लिए हिंदी एवं अंग्रेजी में मेमोरियल की वीथियों में प्रदर्शित वस्तुओं पर प्रश्न तैयार किये गये। दर्शकों को प्रत्येक वीथियों मे रखी वस्तुओं तथा रंगचित्रों के बारे में रोचक तथ्य जानने का मौका मिला। सही उत्तर देने वाले दर्शकों को मौके पर ही पुरस्कार तथा प्रमाण पत्र दिये गये। विक्टोरिया मेमोरियल हाल ने आम दर्शकों को संग्रहालय के संग्रह से सीधे जोड़ने के लिए इस कार्यक्रम को अपनाया था।

4. 5 जून 2016 को निम्नलिखित कार्यक्रमों के जरिये 'विश्व पर्यावरण दिवस' का पालन किया गया:

- विक्टोरिया मेमोरियल हाल के कर्मियों द्वारा वृक्षारोपण : वी एम एच बगीचे के सर राजेन्द्र नाथ मुखर्जी उद्यान में विक्टोरिया मेमोरियल हाल के कर्मियों ने वृक्षारोपण कार्यक्रम के तहत 73 पौधे लगाये।

5. 21 जून 2016 को 'विश्व संगीत दिवस' के अवसर पर 'बंगाल के रिकार्ड किये हुए संगीत की विरासत का संरक्षण' पर एक सचित्र वार्ता आयोजित की गई, जिसमें शोधकर्ता एवं साउण्ड आर्काइविस्ट इन्द्राणी मजुमदार ने व्याख्यान दिया।

6. विक्टोरिया मेमोरियल हाल के कर्मियों ने 15 अगस्त 2016 को स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर ध्वजारोहण समारोह का पालन किया। इस अवसर पर सचिव एवं संग्रहाध्यक्ष डा. जयंत सेनगुप्ता ने राष्ट्रीय झण्डा फहराया।

7. मेमोरियल ने 27 सितम्बर 2016 को 'विश्व पर्यटन दिवस' का पालन किया। इस अवसर पर दर्शकों के लिए वीथियों तथा बगीचे में प्रवेश को नि:शुल्क किया गया। विक्टोरिया मेमोरियल में दर्शकों के बारे में समीक्षा के कार्य में चौरंगी हाई स्कूल, कोलकाता के विद्यार्थियों ने मदद की। वर्ष के विषय 'पर्यटन सभी के लिए – सब तक पहुंच को बढ़ावा' पर आधारित अपने विचार को व्यक्त करने के लिए एक कैनवास रखा गया।

8. 1 अक्टूबर 2016 को 'वरिष्ठ नागरिकों का अंतर्राष्ट्रीय दिवस' को निम्नलिखित कार्यक्रमों के माध्यम से मनाया गया :

इस दिन वरिष्ठ नागरिकों के लिये संग्रहालय में प्रवेश को नि:शुल्क किया गया। उनके लिए विभिन्न संगठनों ने मेमोरियल दिखाने का कार्यक्रम रखा और उसके बाद डिगनिटी फांउडेशन के सदस्यों द्वारा एक संक्षिप्त सांस्कृतिक कार्यक्रम रखा गया था।

9. 5 अक्टूबर 2016 को 'जॉय ऑफ गिविंग वीक' (2 से 8 अक्टूबर 2016) में मनोविकास केन्द्र, कोलकाता के विशेष बच्चों द्वारा एवं उनके सहयोग से संगीत तथा नृत्य का एक सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किया गया।

10. 31 अक्टूबर – 5 नवम्बर 2016 तक 'सर्तकता जागरूकता सप्ताह' का पालन किया गया। विक्टोरिया मेमेरियल हाल के कर्मियों ने 'भ्रष्टाचार के उन्मूलन तथा ईमानदारी को बढ़ावा देने में जन भागीदारी' के विषय में शपथ ली। इस अवसर पर दर्शकों में वितरण के लिये संबंधित विषय में एक प्रपत्र को तैयार किया गया, जिसे भर कर उन्हें बॉक्स में डालना था।

11. विक्टोरिया मेमोरियल हाल ने 14 नवम्बर 2016 को 'बाल दिवस' का पालन किया। इस अवसर पर वर्ण परिचय, फ्यूचर होप फाउंडेशन, सहाय एण्ड टुमारो फाउंडेशन जैसे संगठनों के साधन से वंचित 80 बच्चों के लिए मैजिक शो तथा मनोरंजन के अन्य कार्यक्रम प्रस्तुत किये गये। इस कार्यक्रम को धूमकेतु पपेट थियेटर ग्रूप ने तैयार किया था।

12. 'विश्व विरासत सप्ताह' के अवसर पर विक्टोरिया मेमोरियल हाल ने 19 से 25 नवम्बर 2016 तक निम्नलिखित कार्यक्रमों को आयोजित किया :

- 19 नवम्बर 2016

प्रतिमा बनाना : भारतीय प्रबंध संस्थान, कलकत्ता के सोशियोलॉजी के पूर्व प्रोफेसर सुरेन्द्र मुंशी ने 'शेपिंग एक्सीलेंस : लेसन्स फ्रॉम कुमारटोली इमेज मेकर्स इन कैलकैटा' पर एक व्याख्यान दिया। इसके बाद राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता फिल्म क्ले इमेज मेकर्स ऑफ कुमारटोली (2014, 52 मिनट) को दिखाया गया और निर्देशक रणजीत राय के साथ दर्शकों ने चर्चा में भाग लिया।